Regarding new type of viral fever spreading in Punjab

श्री गुरजीत सिंह औजला **(अमृतसर):** सभापति महोदय, मैं सदन का ध्यान एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय की ओर दिलाना चाहता हूं। मेरे संसदीय क्षेत्र में एक बुखार ने लोगों को भयंकर चपेट में लिया है। हमारे क्षेत्र का जो छेयाडा एरिया है, पिछले छह महीने से भी ज्यादा समय हो गया है, लगभग एक साल से लोग इस बुखार से परेशान हो रहे हैं। लोग इसे चिकनगुनिया बोल रहे हैं। लेकिन चिकनगुनिया का टेस्ट निगेटिव आने के बावजूद उनको बुखार होता है, उनके हाथ-पांव सूज जाते हैं। जब वे लोग डॉक्टर के पास जाते हैं तो अलग-अलग तरह के टेस्ट होते हैं, ये गरीब लोग हैं और बहुत परेशान हैं। टेस्टों कराने में भी ये लोग उजड़ रहे हैं, लेकिन कोई स्पेसिफिक इलाज नहीं है। वे स्टेरायड दे देते हैं या एंटी एलर्जीक मेडिसिन्स दे देते हैं। स्टेरायड देने की वजह से इम्यून सिस्टम डाउन हो जाता है, फिर उनको आंखों का फ्लू हो जाता है, किसी को जुकाम हो जाता है और तरह की इलामते आ जाती हैं और इम्यून सिस्टम डाउन होता है।

इसका कोई इलाज नहीं है, इसका कोई प्रोटोकॉल नहीं है। इसके बाद आदमी छह महीने तक पानी की एक बोतल नहीं खोल सकता, वह इतना कमजोर हो जाता है। इसमें बीस साल के नौजवान ज्यादा चपेट में हैं। लोग हॉस्पिटल में दाखिल हैं, कुछ लोगों की मौत भी हो चुकी है। सरकार को बार-बार बोला गया है, लेकिन स्टेट गवर्नमेंट ने इसकी तरफ ध्यान नहीं दिया है।

कुछ डॉक्टर कहते हैं कि यह कोविड का बिगड़ा हुआ रूप है क्योंकि इसके लक्षण का पता नहीं चल रहा है। मैं सरकार से विनती करता हूं कि सरकार इसको महामारी की तरह ले। केन्द्र सरकार एक टीम सेट-अप करे। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी कई देशों में कोविड के बाद अलग-अलग तरह की बीमारियां आ रही हैं। क्या पता यह उसी का कोई रूप न हो? छह महीने हो गए हैं, स्टेट गवर्नमेंट ध्यान नहीं दे रही है, बार-बार चिट्ठी लिखी है, बार-बार उनको एप्रोच किया है। मैं आपके माध्यम से सरकार से विनती करता हूं कि आप तुरंत एक टीम बनाइए। डॉक्टरों की टीम वहां जाए और उस पर रिसर्च हो कि यह क्या बीमारी है, जो देशवासियों को परेशान कर रही है।

मेरे संसदीय क्षेत्र में करीब 25 लाख लोगों में से 5 लाख गरीब परिवार हैं, करीब ढ़ाई लाख परिवार इससे प्रभावित है। उनकी रोजी-रोटी जा चुकी है। सारा परिवार इससे परेशान है। उनके घर लोन पर हैं, लोन पर गाड़ी है, उनकी किश्ते ड्यू हैं। वे लोग बहुत परेशानी के हाल में हैं। सरकार तुरंत इसके ऊपर एक्शन ले और वहां एक टीम भेजे। धन्यवाद।